एम.ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

सेमेस्टर एक

प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा इसमें 70 अंक सत्रांत परीक्षा व 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

MHN CC-1 **प्रथम पत्र**

क्रेडिट : 5

तीन आलोचनात्मक–3×10=30
चार लघूत्तरीय –4×5 =20
दस वस्तुनिष्ठ –10×2 =20
70

भाषा व लिपिः उद्भव एवं विकास

भाषा : परिभाषा, तत्त्व /अंग, अभिलक्षण

भाषोत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा –परिवर्तन के कारण

ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

रूपविज्ञान : रूप–परिवर्तन की विविध दिशाएँ

अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

लिपि का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मानकीकरण

हिन्दी भाषा का उद्भव : अपभ्रंश, अवहट्ठ, पुरानी हिन्दी

हिन्दी भाषा का विकास : अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली का साहित्यक भाषा के रूप में विकास

खड़ी बोली हिन्दी के साहित्यिक रूपा का विकास : दकनी, उर्दू और हिन्दी

19वीं सदी का हिन्दी आंदोलन और हिन्दी भाषा के स्वरूप का प्रश्न

हिन्दी का मानकीकरण

स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी

स्वतंत्र भारत की राजभाषा और हिन्दी

राष्ट्रभाषा हिन्दी

आज की हिन्दी

अनुमोदित ग्रंथः–

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा– भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भोलानाथ तिवारी– भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद
3. बाबूरम सक्सेना– सामान्य भाषा विज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

4. उदयनारायण तिवारी– हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, भारतो भंडार, इलाहाबाद

5. सत्य नारायण तिवारी– हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास

6. अनंत चौधरी (सं0)– नागरी लिपि : हिन्दी और वर्तनी, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

7. रामविलास शर्मा– भारत की समस्या, राजकमल प्रकाशन

" " – भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन

8. भोलानाथ तिवारी – हिन्दी भाषा

9. देवेन्द्रनाथ शर्मा– राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान

10. चंद्रधर शर्मा– पुरनी हिन्दी, काशी ना0 प्र0 सभा, काशी 1948

11. रामचंद्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास, ना0 प्र0 सभा, काशी सं0 2035

12. किशोरीदास वाजपेयी– हिन्दी शब्दानुसान, ना0 प्र0 सभा, सं0 2033

13. नामवर सिंह– हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1932

14. सुनीति कुमार चटर्जी– भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली–1947

15. श्रीराम शर्मा– दक्खिनी का गद्य और पद्य, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद, 1954

16. डॉ0 शितिकंठ मिश्रा– खड़ी बाली आन्दोलन, ना0 प्र0 सभा, काशी, सं0 2013

17. अध्योध्याप्रसाद खत्री स्मारक ग्रंथ– (बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्‌) पटना 1960

18. राहुल सांकृत्यायन– मातृभाषाओं का प्रश्न (निबंध) (साहित्य निबंधाबली)

क. 'राहुल निबंधाबली' में दिल्ली, पी.पी.एच. 1983–हिन्दी में परिभाषिक शब्दो का निर्माण (निबंध) आचार्य रघुवीर का परिभाषा निर्माण निबंध

ख. 'क्या करें' में प्रयाग, 1939 – ख. हिन्दी साहित्य पर एक दृष्टि (निबंध)

19. डॉ0 धर्मवीर– हिन्दी की आत्मा, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1987

20. अमृत राय– ए हाउस डिवाइडेड (ओ.यू.पी.), 1991

21. क्रिस्टोफर आर. किंग– वन लैग्वेज, टू स्क्रिप्ट्स, दी हिन्दी मूवमेंट इन नाइण्टींथ सेंचुरी नार्थ इंडिया, ओ.यू.पी. मुम्बई, 1994

22. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना– डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना

23. वसुधा डालमिया– नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडीशन भारतेन्दु हरिश्चंद्र एण्ड नाइनटीण्थ सेंचुरी बनारस ओ.यू.पी. दिल्ली, 1997

24. डॉ0 इकबाल अहमद– दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1966

25. राहुल सांकृत्यायन– दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा, बिहार, राष्ट्रभाषा परिषद्‌, पटना, 1959

26. पॉल आर. ब्रास– लग्वेज, रिलीजियन एंड पॉलिटिक्स इन नार्थ इंडिया, बैम्ब्रिज यूनिवर्सिटो, प्रेस, 1974

27. वीर भारत तलवार– रस्साकशी, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 2002

28. मीर अम्मन– बागो–बहार, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 1966

29. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य (1850–1900) लोक भारती, इलाहाबाद, 1998

30. डॉ0 श्रीराम शर्माः दक्खिनी हिन्दी का उद्‌भव और विकास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1964

MHN CC-2 **द्वितिय पत्र** **3×10 =30 (आलोचनात्मक)**

4×5 = 20 (लघूत्तरीय)

केडिट : 5 **10×2= 20 (वस्तुनिष्ठ)**

70

इतिहास दर्शन, साहित्येतिहासदर्शन व हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परंपरा

इतिहास और इतिहास–दृष्टि

इतिहास–दृष्टि और साहित्येतिहास दृष्टि

साहित्यतिहास के प्रमुख सिद्धांतः विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ

काल–विभाजन का आधार

साहित्यिक प्रवृतियों का अंतस्संबंध

सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक परंपरा व संदर्भ

इतिहास और आलोचना

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

अनुमोदित ग्रंथः–

1. ई. एच. कार.–इतिहास क्या है?
2. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास दर्शन
3. हीगेल– फिलासफी ऑफ हिस्ट्री
4. रामविलास शर्मा– इतिहासदर्शन
5. आर. कलिंगवुड– द आइडिया ऑफ हिस्ट्री
6. आर. कलिंगवुड– हिस्टारिकल इमैजिनेशन
7. जे0 वर्कहार्ड– जजमेंट ऑन हिस्ट्री एंड हिस्टोरियन
8. श्याम कश्यप(सं0) – हिन्दी साहित्यतिहासलेखन की समस्याएँ, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
9. एच.बटरफील्ड– द हिंवग इंटरप्रेटेशन ऑफ हिस्ट्री
10. बट्रेंड रसेल– पोरट्रेट्स ऑफ हिस्ट्री
11. ऐक्टन– हिस्टोरिकल एसेज एंड स्टडीज

12. एम0सी0डी0 आर्सी– द सेंस ऑफ हिस्ट्रीः सेकुलर एंड सैक्रेड
13. रामचनद्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास
14. डॉ0 नगेन्द्र (सं0)–हिन्दी साहित्य का इतिहास
15. ह0प्र0 द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका
    ” ” –हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास
16. सुधोश पचौरी– उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद
17. गोपीचंद नारंग– संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र
18. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि

MHN CC-3 | **तृतीय पत्र** | **3×10= 30 (आलोचनात्मक)**
4×5 = 20 (लघूत्तरीय)
क्रेडिट : 5 | **10×2= 20 (वस्तुनिष्ठ)**
70

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य का आरंभ : कब और कैसे? पूर्ववर्ती साहित्यिक परंपराएँ, अदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य, प्रमुख साहित्यिक प्रवृतियाँ।
- भक्ति आंदोलन के उदय की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, दार्शनिक आधार, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतप्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण।
- निर्गुण भक्ति का सामाजिक आधार, प्रमुख निर्गुण कवि आर उनकी रचनाओ में समकालीन समाज का चित्र, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत, संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।
- सगुण भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ, कृष्ण काव्य की सामान्य विशेषताएँ, रामकाव्य सामान्य विशेषताएँ।
- रीतिकाल और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, रीतिकाल की विभिन्न काव्यधाराएँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त, प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उसका उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–एक), वाणी विज्ञान, ब्रह्मनाल, वाराणसी
6. डॉ0 नगेन्द्र (सं0)– हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास–दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

9. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. अवधेश प्रधान–हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
12. प्रो0 एहतेशाम हुसैन– उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की–ए–उर्दू, ओन्यू हाउस, नई दिल्ली
13. वशिष्ठ अनूप– हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास
14. डॉ0 त्रिभुवन सिंह, डॉ विजयपाल सिंह– साहित्यिक निबध
15. डॉ0 शंभुनाथ शुक्ल–आदिकालीन हिन्दी साहित्य
16. डॉ जयदेव सिंह तथा डॉ वसुदेव सिंह– कबीर–वाङमय : रमैनी
17. डॉ जयदेव सिंह तथा डॉ वसुदेव सिंह– कबीर–वाङमय : सबद
18. डॉ जयदेव सिंह तथा डॉ वसुदेव सिंह– कबीर–वाङमय : साखी
19. डॉ0 नागेन्द्रनाथ उपाध्याय– गारखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में
20. डॉ वसुदेव सिंह– हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन
21. आचार्य रामचन्द्र तिवारी– मध्ययुगीन काव्य साधना
22. डॉ0 नागेन्द्रनाथ उपाध्याय– बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य
23. डॉ0 शिवनारायण सिंह– रीतिकालीन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन
24. शिवकुमार मिश्र– भक्तिकाव्य और लोकजीवन
25. के. दामोदरन– भारतीय चिंतन परंपरा
26. प्रेमशंकर– भक्तिकाव्य की भूमिका
27. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

MHN CC-4 चतुर्थ पत्र

केडिट : 5

3×10= 30 (आलोचनात्मक)
4*5 = 20 (लघूत्तरीय)
10*2= 20 (वस्तुनिष्ठ)
70

आरंभिक हिन्दी कविता

चंदबरदाई– पृथ्वीराज रासो, सं0 ह0 प्र0 द्विवेदी एवं नामवर सिंह

अब्दुर्रहमान– संदेश रासक, सं0 ह0 प्र0 द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी

विद्यापति– विद्यापति की पदावली, सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

कीर्तिलता, सं0 वीरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अमीर खुसरो– चयनित पाठ

अनुमोदित पुस्तक सूची :–

1. पृथ्वीराज रासो, सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा, नामवर सिंह
4. पृथ्वीराज रासो, सं0 माताप्रसाद गुप्त
5. विद्यापति, शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कीतिलता और विद्यापति का युग, अवधेश प्रधान, वि0वि0 प्रकाशन, वाराणसी
7. चंदबरदाई, शांता सिंह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
8. Mithila in age of Vidyapati, Radha Krishna Chaudhar, Varanasi, 1976
9. चयनित पाठ के लिए – काव्य गोमुखी – संपादक डॉ. प्रमाद कुमार सिंह

सेमेस्टर दो

MHN CC-5 | **पंचम पत्र** | **क्रेडिट : 5**

3×10= 30 (आलोचनात्मक)
4×5 = 20 (लघूतरीय)
10×2= 20 (वस्तुनिष्ठ)
70

द्वितीय सत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (भारतेन्दु युग से अब तक)

- सन् 1857 की क्रांति और हिन्दी प्रदेश का नवजागरण, भारतेन्दु हरश्चंद्र और उनका मंडल, अन्य महत्त्वपूर्ण लेखक
- भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, खड़ी बोली हिन्दी गद्य का विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज और ईस्ट इंडिया की भाषा नोति, 19वीं सदो में हिन्दी की प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिन्दी नवजागरण, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा
- हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाओं का उदय एवं विकासः आलोचना, निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा–वृत्तांत, संस्मरण आदि
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर उसका प्रभाव– हिन्दी में स्वच्छंतावादी प्रवृत्ति का उदय, विकास और छायावाद
- प्रगतिशील आंदोलन और हिन्दी साहित्य, प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य, देश–विभाजन और साहित्य, कविता और नई कविता
- स्वतंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में वैचारिक द्वंद्व– अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, समाजवाद आदि
- आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार, नई कहानी आंदोलन और उसके बाद की कहानी, नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नए प्रयोग, हिन्दी आलोचना का विकास
- उत्तरछायावाद, नवगीत
- समकालीन हिन्दी साहित्य– कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि में नई प्रवृत्तियों का उदय, साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन, हिन्दी साहित्य में स्त्री–लेखन, दलित–लेखन
- हिन्दी में प्रवासी साहित्य

- आधुनिक हिन्दी साहित्य के विकास में संस्थओं की भूमिका (चार चयनित संस्थाएँ)

अनुमोदित ग्रंथः–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. ह0प्र0 द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उसका उद्‌भव और विकास
3. वि0 प्र0 मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग
4. मैनेजर पाण्डेय– भक्ति आंदोलन और सूरदास, दिल्ली, 1994
5. रामविलास शर्मा– भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1984
6. मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली, 1981
7. नंददुलारे वाजपेयी– हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती, इलाहाबाद, 1983
8. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली, 1986
9. रामस्वरूप चतुर्वेदीः– हिन्दी साहित्य और संवदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986
10. नामवर सिंह– कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1968
11. देवीशंकर अवस्थी– विवके के रंग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965
12. ओमप्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2001
13. राजेन्द्र यादव/अर्चना वर्मा, सं0– अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2001
14. महादेवी वर्मा– श्रृखला की कड़ियाँ, भारती भण्डार इलाहाबाद, 1958
15. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसर इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996
16. श्यौराज सिंह बेचैन, देवेन्द्र चौबे, सं0– चिंतन को परंपरा और दलित साहित्यः नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग और स्मणिका फाउण्डेशन, दिल्ली, 2001
17. S.C. Mallik (Ed.) – Indian Documents: Some Aspects of Dissent Protest and Reform, Shimla, 1978.
18. Savitri Chandra- Social Life and Concepts in Medieval Hindi Bhakti poetry, Meerut, 1983.
19. विजयेन्द्र स्नातक– हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
20. देवेन्द्र चौबे– आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, ओरियंट ब्लैकस्वान, दिल्ली, 2009

21. दीपक कुमार, दवेन्द्र चौबे सं0– हाशिये का वृत्तांत : स्त्री दलित और आदिवासी समाज का वैकल्पिक इतिहास, आधार प्रकाशन, पंचकुला, 2011
22. सुमन राजे– हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास
23. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास
24. नामवर सिंह– इतिहास और आलोचना
" " –छायावाद
" " –आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ
25. रामचन्द्र तिवारी– हिन्दी का गद्य साहित्य
" " –आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम
26. रामस्वरूप चतुर्वेदी– गद्य साहित्य : विकास और विन्यास

MHN CC-6 **षष्ठ पत्र** 3×10= 30 (आलोचनात्मक)

4×5 = 20 (लघूत्तरीय)

केडिट : 5 10×2= 20 (वस्तुनिष्ठ)

70

मध्यकालीन हिन्दी कविता (कबीर, सूर, तुलसी, मीरा, रैदास, बिहारी और घनानंद)

कबीर– ह0 प्र0 द्विवेदी कृत 'कबीर' राजकमल, नई दिल्ली (छंद कम सं0 207 से अंत तक)

जायसी– पद्मावत, सं0 वासुदेवशरण अग्रवाल (केवल नागमती वियोग खंड)

सूरदास– भ्रमरगीत सार, सं0 रामचन्द्र शुक्ल

(64, 76, 85, 89, 95, 97, 121, 138, 140, 210, 211, 316, 366, 384, 400 कुल 15 पद)

तुलसीदास– रामचरितमानस (बालकांड– आरंभ से 37 वें दोहे तक)

मीरा– मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

(10 पद : मण थैं परस हरि रे चरण, तनक हरि, अली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हा गिरधर आगा नाच्या री, म्हांरा रो गिरिधर गोपाल, माई सांवरे रंग रांची, मैं गिरधर के घर जाऊँ, माई री म्हां, लियां गोविदा मोल, माई म्हाणे सुपणा मॉ)

रैदास– संत काव्य–संग्रह, सं0 परशुराम चतुर्वेदी, नया संस्करण, किताब महल, इलाहाबाद (प्रारंभ से दस पद)

बिहारी– बिहारी रत्नाकर, सं0 जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(दोहा सं0 1, 2, 13, 20, 25, 32, 34, 35, 38, 41, 46, 51, 55, 61, 70, 73, 88, 94, 101, 141–कुल 20 दोहे)

घनानंद– स्वर्ण मंजूषा से नलिन विलोचन शर्मा एवं केसरी कुमार

(छंद सं0 1, 2, 8, 9, 14, 15, 16, 18, 21 एवं 22)

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. ह0 प्र0 द्विवेदी– कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. रघुवंश– कबीर : एक नई दृष्टि, इलाहाबाद नई दिल्ली
3. पुरुषोत्तम अग्रवाल– अकथ कहानी प्रेम की, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. डॉ0 धर्मवीर– कबीर के आलोचक
5. संत कवि रैदास– सं0–डॉ0 पूनम कुमारी, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
6. रामचन्द्र शुक्ल– सूरदास
7. रामचन्द्र शुक्ल– गोस्वामी तुलसीदास

8. विश्वनाथ त्रिपाठी– लोकवादी तुलसीदास
9. ह0प्र0 द्विवेदी– सूर साहित्य
10. हरवंश लाल शर्मा– सूर और उनका साहित्य
11. नंददुलारे वाजपेयी– महाकवि सूरदास, अलीगढ़
12. मैनेजर पांडेय– भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, नई दिल्ली
13. प्रेमशंकर– रामकाव्य और तुलसी
14. विश्वनाथ त्रिपाठी– मीरा का काव्य
15. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– बिहारी, वाराणसी
16. बच्चन सिंह– बिहारी का नया मूल्यांकन
17. मनोहर लाल गौड़– घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा
18. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– घनानंद कविता, वाराणसी
19. ज्योतिसर शर्मा– श्रृंगारी रीतिमुक्त काव्य में प्रतियोक्ति
20. इमरै बंधा– घनानंद
21. जायसी ग्रन्थावली, भूमिका, सं0 रामचन्द्र शुक्ल
22. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
23. पद्मावत, सं0 माताप्रसाद गुप्त
24. मध्ययुगीन प्रेमाख्यानक काव्य, नित्यानन्द तिवारी
25. हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति, श्यामसुन्दर दास, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
26. सूफीमत : साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमण्डल, लिमिटेड वाराणसी
27. हिन्दी काव्य में निगुण सम्प्रदाय, पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

MHN CC-7 | **सप्तम पत्र** | **3×10= 30 (आलोचनात्मक)**
4×5 = 20 (लघूत्तरीय)
क्रेडिट : 5 | **10×2= 20 (वस्तुनिष्ठ)**
70

संस्कृत साहित्य का इतिहास

संस्कृत महाकाव्य

संस्कृत गीतिकाव्य

संस्कृत नाटक

संस्कृत गद्यकाव्य

पाठ्य–पुस्तक–मेघदूत (पूर्वमेघ) 10 छंद

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 वचनदेव कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास– राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत कवियों का रचना–संसार, जयशंकर त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. संस्कृत सुकवि समीक्षा– बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा, वाराणसी
5. संस्कृत नाटककार– कान्ति किशोर भरतिया, हिन्दी समिति, लखनऊ
6. मेघदूत : एक पुरानी कहानी– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. संस्कृत रूपक के प्रभार (अनु.) डॉ0 वंशीधर लाल, बिहारग्रंथ कुटीर, पटना
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा, वाराणसी

MHN CC-8 | **अष्टम पत्र** | **क्रेडिट : 5**

3×10= 30	(आलोचनात्मक)	
4×5 = 20	(लघूत्तरीय)	
10×2= 20	(वस्तुनिष्ठ)	
70		

अस्मितामूलक विमर्श

अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत, अस्मिता–निर्माण की प्रक्रिया और प्रकृति

स्मृति, इतिहास और अस्मिता

अस्मिता और सत्ता

धर्म और अस्मिता

अस्मिता और राष्ट्र

भूमंडलीकरण और अस्मिता

व्यक्ति–अस्मिता और सामूहिक अस्मिता

हाशिए की अस्मिताएँ

अल्पसंख्यक अस्मिताएँ

जेंडर की अवधारणा और स्त्रीत्ववादी चिंतकों की अवधारणाएँ

जेंडर अस्मिता, यौन–अस्मिता और सत्ता

जेंडर, भाषा और साहित्य

अंबेडकर और परवर्ती दलित विचारक

दलित आंदोलन और दलित साहित्य

दलित साहित्य और भाषा

दलित कविताएँ–

हीरा डोम – अछूत की शिकायत
अनिता भारती – भोर, पुजारी
असंग घोष – धर्म ! तुम्हें तिलांजलि देता हूँ, मुझे ही.............!
ईश कुमार गंगानिया – गुलामी की फसल, इतना समझ
एम0 आर0 सागर – अभिलाषा, मुझे देवता न बनाओ
ओमप्रकाश वाल्मीकि – ठाकुर का कुआँ, बस्स ! बहुत हो चुका, सदियों का संताप
कँवल भारती – तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ? एकलव्य
जय प्रकाश कर्दम – मैं हरिजन नहीं हूँ, गूँगा नहीं था मैं
जयप्रकाश लीलवान – बारूद का गोदाम, जनपथ
दयानन्द बटोही – द्रोणाचार्य सुनें उनकी परम्पराएँ सुनें, एक पत्र तुम्हारे नाम, सच
नवेन्दु महर्षि – शूद्रों के जो हाथ, ब्रह्मा के मुख से

दलित कहानियाँ– चतुरी चमार (निराला), कहीं धूप कहीं छाया (बेनीपुर), विरामचिह्न (प्रसाद), सौभाग्य के कोड़े (प्रेमचंद), कर्ज (मोहनदास नैमिशराय), सलाम (ओमप्रकाश वाल्मीकि), लाठी (जयप्रकाश कर्दम)

दलित उपन्यास– वीरांगना झलकारी बाई (मोहनदास नैमिशराय), उधर के लोग (अजय नावरिया) कोई एक उपन्यास

दलित आत्मकथाएँ– जूठन (ओम प्रकाश वाल्मीकि), मुर्दहिया (डॉ0 तुलसी राम) कोई एक दलित आत्मकथा

स्त्री आत्मकथाएँ– अन्या से अनन्या (प्रभाखेतान), कस्तूरी कुंडली बसै (मैत्रेयी पुष्पा) कोई एक स्त्री आत्मकथा

अनुमोदित ग्रंथः–

1. M. Melleci- New social movements : A Theoritical Approach
2. T.S. Kuhn (Ed.)- The Kristieva Reader
3. Beverly Skeggs- Feminist Cultural theory process and production
4. Sylvia Walby- The Originating Patriarchy
5. Tony Rosemery- Feminist Thouht : A Comprehensive introduction
6. Mary Wollstone craft- A vindication of the Right of womens.
7. J.S. Mill- The Subjection of Women.
8. डॉ0 भीमराव अम्बेदकर– अम्बेदकर समग्र, भारत सरकार का प्रकाशन
9. ज्योतिबा फुले– ज्योतिबा फुले समग्र
10. अभय कु0 दुबे (सं0) आधुनिकतह के आईने में दलित
11. सिमोन द बोउवा– स्त्री उपेक्षिता (अनु0 प्रभा खेतान)
12. महादेवी वर्मा– शृखला की कड़िया
13. डॉ शरण कु0 लिंबाले– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. ओमप्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र
15. कँवल भारती– दलित विमर्श की भूमिका
16. साधना आर्य (सं0) – नारीवादी राजनीति : संघर्ष और मुद्दे
17. सदानंद शाही (सं0) – दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद
18. प्रभा खेतान– उपनिवेश में स्त्री

MHN CC-9	**नवम पत्र**	**3×10= 30 (आलोचनात्मक)**
		4×5 = 20 (लघूत्तरीय)
	क्रेडिट : 5	**10×2= 20 (वस्तुनिष्ठ)**
		70

उपन्यास

भारतीय आख्यान परंपरा और उपन्यास

उन्नीसवीं शताब्दी के भारतोय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृतियाँ—सुधारवादी आख्यान, अदभुत कथा, ऐतिहासिक उपन्यास—दास्तान और किस्सा, यथार्थवाद का आरंभ

बीसवीं सदी का पूर्वार्द्ध और भारतीय उपन्यास की विशिष्ट पहचान

स्वाधीनता संग्राम स्वातत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास और हिन्दी उपन्यास (विशेषकर प्रेमचंद)

भारतीय उपन्यास चिंतन, हिन्दी उपन्यास चिंतन

उपन्यास और राष्ट्र

उपन्यास और मध्यवर्ग

व्यक्ति और उपन्यास

अंचल, गाँव शहर और उपन्यास

देश का विभाजन और उपन्यास

अस्मितागत उपन्यास

अस्मितागत उपन्यास

पाठः— प्रेमचंद(गोदान), जैनेन्द्र(त्यागपत्र), ह0 प्र0 द्विवेदी(बाणभट्ट की आत्मकथा), फणीश्वरनाथ रेणु(मैला आँचल), नागार्जुन(वरुण के बेटे), अज्ञेय (नदी का द्वीप), भीष्म साहनी (तमस), श्रीलाल

शुक्ल(राग दरबारी), मैत्रेयी पुष्पा(इदन्नमम्), अनामिका(दसद्वारे का पिंजरा) इसमें से कोई तीन चयनित उपन्यास।

(सिर्फ गोदान, मैला आँचल एवं वरूण के बेटे का अध्यापन ही अपेक्षित है।)

अनुमोदित ग्रंथः–

1. विश्वनाथ काशीनाथ राजवाड– 'उपन्यास', आलोचना 89, (जनवरी–मार्च 1988)
2. जार्ज लुकाच– उपन्यास का सिद्धांत
3. रॉल्फ फॉक्स– उपन्यास और लोक जीवन
4. गोपाल राय– हिन्दी उपन्यास का इतिहास
5. इन्द्रनाथ मदान– आज का हिन्दी उपन्यास
   '' '' – हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख
6. राजेन्द्र यादव– उपन्यास : स्वरूप आर संवेदना
7. रामदरश मिश्र– हिन्दी उपन्यास : एक अंतयात्रा
8. परमानंद श्रीवास्तव– उपन्यास का यथाथ और रचनात्मक भाषा
9. मीनाक्षी मुखर्जी– रियलिज्म एंड रियल्टी : नॉवेल एंड सोसायटी इन इंडिया
10. शिव कुमार मिश्र– यथार्थवाद
11. रामविलास शर्मा– प्रेमचंद और उनका युग
12. नित्यानंद तिवारी– हिन्दी उपन्यास(1950 के बाद)
13. सीताराम झा 'श्याम' – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी उपन्यास
14. नेमिचन्द जैन– अधूरे साक्षात्कार
15. ज्ञानचंद जैन– प्रेमचंद पूर्व के हिन्दी उपन्यास
16. टी. डब्लू. क्लार्क (सं0)– द नॉवेल इन इंडिया, लंदन 1970
17. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र– आंचलिकता की कला और कथा साहित्य
18. नन्ददुलारे वाजपेयी– प्रेमचंदः एक साहित्यिक विवेचन
19. चंद्रकांत वांदिवडेकर– जैनेन्द्र के उपन्यास : मर्म की तलाश
20. अशोक वाजपेयी – जैनेन्द्र की आवाज
21. सुवास कुमार– आंचलिकता, यथार्थवाद और रेणु
22. शशिभूषण सिंघल– हिन्दी उपन्यास और पवृतियाँ

23. कमलेश अवस्थी– परंपरा और आधुनिकीकरण
24. गोपाल राय– अज्ञेय और उनके उपन्यास
25. सत्यप्रकाश मिश्र (सं0)– गोदाम का महत्व
26. मधुरेश– हिन्दी उपन्यास का विकास
27. विजय मोहन सिंह– कथा समय
28. नन्द किशोर नवल (सं0)– कसौटी (पत्रिका) का समापन अंक बीसवीं सदी : कालजयी कृतिया
29. लुसिए गोल्डमान– टुआर्डस द सोशियोलोजी ऑफ नॉवेल

सेमेस्टर–तीन

MHN CC-10 **दशम पत्र** **3×10= 30 (आलोचनात्मक)**
4×5 = 20 (लघूत्तरीय)
केडिट : 5 **10×2= 20 (वस्तुनिष्ठ)**
70

आधुनिक हिन्दी काव्य

खड़ीबोली की कविता में आख्यानपरकता
आधुनिकता और आख्यान काव्य
व्यक्ति और प्रबंध काव्य
राजनीति और प्रबंध काव्य

1. साकेत– मैथिलीशरण गुप्त– लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (व्याख्या हेतु केवल नवम सर्ग)
2. कामायनी– जयशंकर प्रसाद (व्याख्या हेतु केवल श्रद्धा सर्ग)
3. राग–विराग– निराला, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति, तोड़ती पत्थर, सम्राट अष्टम एडवर्ड के प्रति)
4. तारापथ– पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (आरंभिक पाँच कविताएँ)
5. सन्धिनी– महादेवी (अंत के दस गीत)
6. उर्वशी– दिनकर (व्याख्या हेतु केवल तृतीय सर्ग)
7. बच्चन– लहरों का निमंत्रण, निमार्ण, तुम गा दो, सोन भद्दरी लौटो राजहंसो, युग का जुआ प्रतिनिधि कविताएँ – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

8. नेपाली– परिचय, भाई बहन, कवि, विश्व सुन्दरी, नवीन कल्पना करो, मेरा धन है स्वाधीन कलम, प्रतिनिधि कविताएँ – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. धूमिल की श्रेष्ठ कविताएँ – सं0 बलदेव मिश्र, शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
   मोची राम और पटकथा
10. आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री– मैं गाऊँ तेरा मन्त्र समझ, बॉसुरी, बादल राग, शिप्रा, राधा (प्रणय पर्व का प्रारम्भ)
    उत्तम पुरुष– अभिधा प्रकाशन, मुज0

(इनमें से किन्हीं पाँच कवियों का अध्ययन–अध्यापन अपेक्षित है)

अनुमोदित ग्रंथः–

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास– डॉ0 नन्दकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. कामायनी सौन्दर्य– फतह सिंह, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
3. दिनकर रचनावली– डॉ0 नन्दकिशोर नवल एवं डॉ0 तरुण कुमार– लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कामायनी परिशीलन– सं0 नन्द किशोर नवल, अनुपम प्रकाशन, पटना।
5. कामयनी लोचन– डॉ उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत– प्रो0 सूर्य प्रसाद दीक्षित, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
7. मैथिलीशरण– डॉ0 नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. प्रसाद का काव्य– डॉ0 प्रेमशंकर, राधाकृष्ण।
10. निराला की साहित्य साधना (दूसरा भाग) – डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. निराला कृति से साक्षात्कार– नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. निराला– आत्महन्ता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा– रेखा खरे, लोकभारती।
14. काव्य विमर्शः निराला– डॉ0 रेवती रमण, जवाहर पब्लिशर्स ऐन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
15. आधुनिक हिन्दी कविता– डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती।

16. महीयसी महादेवी– गंगा प्रसाद पाण्डेय, लोकभारती

17. महादेवी– इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

18. जयशंकर प्रसाद– रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी।

19. निराला– परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी।

20. सुमित्रानन्दन पंत– कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी।

21. मैथिलीशरण गुप्त– रेवती रमण, साहित्य अकादेमी

22. दिनकर– विजेन्द्र नारायण सिंह, साहित्य अकादेमी।

23. दिनकर– सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण।

24. उर्वशी : उपलब्धि और सीमा, विजेन्द्र नारायण सिंह, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।

25. उर्वशी : विचार और विश्लेषण– सं0 डॉ0 वचनदेव कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

26. दिनकर– अर्धनारीश्वर कवि– नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

27. दिनकर की साहित्य साधना– सं0 सतीश कुमार राय, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर।

28. कवि अज्ञेय– नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन।

29. निराला की विचारधारा और विवकानंद– डॉ0 तरुण कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

30. अज्ञेय– सं0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

31. नेपाली : चिन्तन– अनुचिन्तन, सं0 सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर।

32. त्रयी– आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर।

33. हरिवंश राय बच्चन– टण्डन, साहित्य अकादमी, दिल्ली।

34. गेपाल सिंह नेपाली– सतीश कुमार राय, किताब पब्लिकेशन, मुजफ्फरपुर।

MHN CC-11 **एकादश पत्र**

क्रेडिट : 5

3×10= 30 (आलोचनात्मक)
4×5 = 20 (लघूत्तरीय)
10×2= 20 (वस्तुनिष्ठ)
70

<u>पत्रकारिता मीडिया एवं जनसंचार</u>

1. पत्रकारिता– परिभाषा, स्वरूप एवं भेद
2. समकालीन हिन्दी मीडिया– प्रिन्ट मीडिया, प्रमुख पत्र एवं पत्रिकाएँ
   इलेक्ट्रानिक मीडिया– रेडियो, टेलीविजन, फिल्म एवं इन्टरनेट
3. जनसंचार– स्वरूप एवं भेद
4. मीडिया लेखन– समाचार, फीचर, साक्षात्कार, रिपोर्ताज
5. प्रमुख पत्रकार– भारतेन्दु, मदन मोहन मालवीय, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, प्रेमचंद, शिवपूजन सहाय, रामवृक्ष बेनीपुरी, माखनलाल चतुर्वेदी, बनारसी दास चतुर्वेदी, अज्ञेय, धर्मवीर भारती, राजेन्द्र माथुर, बाबूराम विष्णु पराड़कर, प्रभाष जोशी
6. मीडिया के विभाग– विभाग, संपादन विभाग, प्रबन्धन विभाग
7. पारिभाषिक शब्दावली– ऐड, वीर, ब्लोअप, ब्यूरो, कैप्सन, कवर स्टोरी, इन्ट्रो, रिलीज, इनसाइड स्टोरी, फोलोअप, लीड।

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास– अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

2. टेलीविजन की कहानी– श्याम कश्यप, मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. सिर्फ पत्रकारिता– अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता– अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी पत्रकारिता के प्रतिमान– डॉ0 सतीश कुमार राय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. संचार के मूल सिद्धांत– प्रो0 ओम प्रकाश सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. जनसंचार– सं0 राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अमादमी, पंचकूला
8. रेडियो प्रसारण– कौशल शर्मा– प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
9. संचार भाषा हिन्दी– सूर्यकुमार दीक्षित, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. पत्रकारिता हेतु लेखन– डॉ0 निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन, दिल्ली
11. मीडिया लेखन– सिद्धांत और प्रयोग– मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
12. भारतीय स्वतंत्रता और हिन्दी पत्रकारिता– डॉ0 वंशीधर लाल, बिहारग्रंथ, कुटीर, पटना
13. पत्रकारिता के विविध संदर्भ– डॉ वंशीधर लाल, अनुपम प्रकाशन, पटना
14. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया– डॉ0 देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
15. वेब पत्रकारिताः नया मीडिया नये रुझान– शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
16. न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ, सं0 आर0 अनुराधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
17. मीडिया की खबर– अरविन्द मोहन, शिल्पायन, दिल्ली
18. योद्धा पत्रकार– हेमंत, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
19. स्मकालीन हिन्दी मीडिया– सं0 विजय दत्त श्रीधर, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
20. पत्रकार प्रेमचन्द– डॉ0 सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
21. सामयिक मीडिया शब्दकोश– हर्षदेव, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
22. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारिता– डॉ वंशीधर लाल, अनुभव प्रकाशन, कानपुर
23. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम– डॉ0 जितेन्द्र कुमार सिंह, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली

MHN CC-12	**द्वादश पत्र**	3×10= 30	(आलोचनात्मक)
		4×5 = 20	(लघूत्तरीय)
	केडिट : 5	10×2= 20	(वस्तुनिष्ठ)
		70	

उर्दू साहित्य

1. उर्दू भाषा– उद्भव और विकास
2. उर्दू काव्य रूपों का परिचय– मसनवी, गजल, नज्म, रूबाई, कसीदा, मर्सिया
3. उर्दू कहानी
4. उर्दू नाटक
5. उर्दू आलोचना
6. उर्दू पत्रकारिता

अनुमोदित ग्रंथः–

1. उर्दू भाषा और साहित्य– रघुपति सहाय 'फिराक गोरखपुरी, हिन्दी–समिति, लखनऊ
2. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– एहतेशाम हुसैन, लोकभारती प्रकाशन
3. उर्दू शायरीः आजादी के बाद– जाफर रजा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. उर्दू कविता का विकास– कृष्णचन्द्र लाल, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
5. उर्दू साहित्य कोश– कमल नसीम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अथवा

बांग्ला साहित्य

1. बांग्ला भाषा– उद्‌भव और विकास
2. प्रारम्भिक बांग्ला काव्य
3. मध्यकालीन बांग्ला काव्य (विशेषतः चैतन्य, चण्डीदास, कृतिवास ओझा)
4. आधुनिक बांग्ला काव्य– विशेषतः बिहारी लाल चक्रवर्ती, माइकेल मधुसूदन दत्त, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, काजी, नजरूल इस्लाम, जीवनानन्द दास, विष्णु ड, बुद्धदेव वसु सुनील गंगोपाध्याय और शंकर घोष
5. आधुनिक बांग्ला कहानी– विशेषतः रवीन्द्रनाथ ठाकुर, शरतचन्द्र, विभूतिभूषण बन्द्योपाध्याय, ताराशंकर बन्धोपाध्याय, आशापूर्णा देवी
6. बांग्ला उपन्यास– विशेषतः– बंकिमचन्द्र चटर्जी, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, शरतचन्द्र, ताराशंकर बन्द्योपाध्याय, विमल मिश्र, गजेन्द्र कुमार मिश्र, महाश्वेता देवी, मणिक बन्द्योपाध्याय
7. बांग्ला नाटक और रंगमंच का विकास

अनुमोदित ग्रंथः–

1. बांग्ला साहित्य का इतिहास– डॉ0 सुकुमार सेन, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
2. बांग्ला साहित्य का इतिहास– डॉ0 सत्येन्द्र, हिन्दी–समिति, लखनऊ
3. रवीन्द्रनाथ ठाकुर– शिशिर कुमार घोष, हिन्दी अनुवाद– अनामिका, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
4. माणिक बन्द्योपाध्याय– सरोज मोहन मिश्र, अनु– विनोद भारद्वाज, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
5. माइकेल मधुसूदन दत्त– अमलेन्दु बोल, अनु0 रामकृष्ण पाण्डेय, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
6. बंकिमचन्द्र चटर्जी– सुबोध चन्द्र सेन गुप्त, अनु0 श्रवण कुमार, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
7. काजी नजरूल इस्लाम– गोपाल हल्दार, अनु0 विनोद भारद्वाज, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

MHN CC-13	**त्रयोदश पत्र**	$3 \times 10 = 30$	(आलोचनात्मक)
		$4 \times 5 = 20$	(लघूत्तरीय)
	क्रेडिट : 5	$10 \times 2 = 20$	(वस्तुनिष्ठ)
		70	

समकालीन हिन्दी कविता

1. केदारनाथ अग्रवाल— जनता, जो शिलाएँ तोड़ते हैं, पूंजीपति और श्रमजीवी, धरती, यदि आयेगा डालर, नागार्जुन के बाँदा आने पर।
2. नागार्जुन— प्रतिबद्ध हूँ, बादल को घिरते देखा है, सिन्दूर तिलकित भाल, हरिजन गाथा, प्रेत का बयान, कालिदास।
3. त्रिलोचन— फेरीवाला, उस जनपद का कवि हूँ, मैं, गीतमयी हो तुम, चम्पा काल—काले का अच्छर नहीं चीन्हती, धूप सुन्दर, नगई महरा।
4. मुक्तिबोध— अन्धेरे में, ब्रह्म राक्षस।
5. अज्ञेय— असाध्यवीणा, नदी के द्वीप, साम्राज्ञी का नैवेद्य दान।
6. शमशेर बहादुर सिंह— प्रेम, चुका भी हूँ नही मैं, बात बालेगी, अमन का राग, एक पीली शाम, सारनाथ की एक शाम।
7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना— काठ की घंटियाँ, अपनी बिटिया के लिए दो कविताएँ, भेड़िया—2, तुम्हारे लिए, कुआनो नदी, लू शुन और चिड़ियाँ।
8. विजयदेव नारायण साही— कान पुकारता है, लय, कभी नहीं, सूर्ख माला, संलाप में।

9. रघुवीर सहाय– पढ़िए गीता, रामदास, आत्महत्या के विरुद्ध, लोग भूल गये हैं, चेहरा, स्वच्छन्द लेखक।
10. कुँवर नारायण– आत्मजयी–भारतीय ज्ञानपीठ।
11. केदारनाथ सिंह– बनारस, टूटा हुआ ट्रक, बैल, बाघ।
12. धूमिल– मोचीराम, पटकथा, संसद से सड़क तक।
13. वि0प्र0 तिवारो– बेड़ियों के विरुद्ध, आरा मशीन, बेहतर दुनिया के लिए, कनॉट प्लेस, पुस्तकें, जगह।
14. अरुण कमल– अपनी केवल धार, नये इलाके में, उल्लंघन, उर्वरा प्रदेश, पुतली में संसार, सौन्दर्य।
15. मदन कश्यप– रफूगरो, तिलचट्टे, सपने का अंत, इच्छाएँ, नदी संवाद, नीम रौशनी में

(इनमें से किन्हीं छह कवियों का अध्ययन–अध्यापन अपेक्षित है)

अनुमोदित ग्रंथः–

1. केदारनाथ अग्रवालः प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अरुण कमल : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कदारनाथ सिंहः प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मुक्तिबाध : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. वि0प्र0 तिवारी : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. त्रिलोचन : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
10. रघुवीर सहायः प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मदन कश्यपः कवि ने कहा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
12. विजयदेव नारायण साही, साखी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. समकालीन हिन्दी कविता– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. कविता का वर्तमान–खगेन्द्र ठाकुर, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद
15. समकालीन काव्य– यात्रा– नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. मुक्तिबाधः ज्ञान और संवेदना– नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

17. हिन्दी के प्रगतिशील और समकालीन कवि– डॉ0 रणजीत, साहित्य रत्नालय, कानपुर
18. कविता के नये प्रतिमान– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. कविता की जमीन और जमीन की कविता– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
20. नयी कविता और अस्तित्ववाद– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. आधुनिक कवि– विश्वम्भर मानव, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन
22. आधुनिक कविता यात्रा– रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
23. कविता के तीन दरवाजे– अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन
24. कविता का उत्तर जीवन– परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन
25. हिन्दी कविता अभी बिल्कुल अभी, नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
26. समकालीन हिन्दी कविता– ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
27. अन्तस्तल का पूरा विप्लवः अंधेरे में, सं0 निर्मला जैन–राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
28. नागार्जुन अंतरंग और सृजनकर्मः– सं0 मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, चंचल चौहान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
29. कवि परम्परा की पड़ताल– हेमन्त कुकरेती, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
30. महाकाव्य से मुक्ति– डॉ0 रेवतीरमण, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
31. त्रिलोचन– रेवती रमण, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
32. शमशेर बहादुर सिंह– प्रभाकर श्रोत्रिय, साहित्य अमादेमी, दिल्ली
33. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना– कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
34. कुँवर नारयणः उपस्थिति– सं0 यतीन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

MHN CC-14

चतुर्दश पत्र

क्रेडिट : 5

3×10= 30 (आलोचनात्मक)
4×5 = 20 (लघूत्तरीय)
10×2= 20 (वस्तुनिष्ठ)
70

काव्यशास्त्र

भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास– सामान्य परिचय

प्रमुख आचार्य और काव्यशास्त्रीय सम्प्रदाय

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य रीति, कवि–समय

रस सिद्धांत– रस की अवधारणा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण

ध्वनि सिद्धांत–ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्त्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धांत का महत्त्व

प्लेटो– अनुकरणमूलक काव्य सिद्धांत

अरस्तू– अनुकरण– सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी

क्रोचे– अभिव्यंजनावाद

एलियट– परंपरा की अवधारणा, निवैयक्तिक काव्य का सिद्धांत

आई.ए.रिचर्ड्स– मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. निर्मला जैन, कुसुम भाटिया – पाश्चात्य साहित्य चिंतन
2. गणेश त्र्यंबक देशपांडे – भारतीय साहित्यशास्त्र
3. बलदेव उपाध्याय – संस्कृत आलोचना
4. पी.बी. काणे – हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
5. शंकरदेव अवतरे – रस प्रकिया
6. डॉ0 नगेन्द्र – काव्यशास्त्र की भूमिका
7. राममूति त्रिपाठी – भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज
8. भागीरथ मिश्र – काव्यशास्त्र
9. भोलाशंकर व्यास – ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत
10. राममूर्ति त्रिपाठी – भारतीय काव्य विमर्श
11. आचार्य चण्डिका प्र0 शुक्ल – ध्वन्यालोक
12. डॉ0 नगेन्द्र – पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
13. सीमोन द बोउवार स्त्री : उपेक्षिता, अनु0 प्रभा खेतान, हिन्द पॉकेट बुक्स
14. जर्मेन ग्रीयर – विद्रोही स्त्री, अनु. मधु बी. जोशी राजकमल प्रकाशन
15. Rene Wellek – History of Modern Criticism 1750-1950
16. Jonathan Guller – Structuralist Poeties : Structuralism, lingutstics and the studyof literature.
    - The Pursuit of Signs : Semiotics literation Decoustrucation, Rortledge ad Kegan
17. Terry Eagleton – Criticism and society in literary History
    - The ideology of Aesthetics, Oxford University press, London.
18. Edward Said – The word, the text and critic, Harvard Uni. Press.
19. Tosil Moi – Sexual texul politics : Feminist Literary theory.
20. रामचन्द्र शुक्ल – रस मीमांसा
    – चिंतामणि भाग–1 और 2
21. गोपीचंद नारंग – संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र, सहित्य अकादमी, दिल्ली
22. Mery Beth Rose – Gender and Heroism in Early Modern Literature, University of Chicago Press.
23. देवेन्द्रनाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्यशास्त्र
24. लक्ष्मीनारायण सुधांशु

25. देवेन्द्र शर्मा, काव्य के तत्त्व

26. निर्मला जैन, काव्यशास्त्र की पश्चिमी परम्परा

27. सत्यदेव मिश्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आधुनातन सन्दर्भ

सेमेस्टर–चार
पंचदश पत्र

MHN EC-1 (क)

क्रेडिट : 5

3×15= 45
3×5 = 15
10×1 = 10
70

साहित्य का समाजशास्त्र और संस्कृतिमूलक अध्ययन

- समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की परंपराएँ : पाश्चात्य और भारतीय
- प्रमुख साहित्यिक समाजशास्त्री : इपालित अडोल्फ तेन, लियो लोवेठंड, लूसिए गोल्डमान और रेमंड विलियस
- साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ– साहित्य में समाज की खोज, समाज में साहित्य की स्थिति, साहित्य और पाठक–समुदाय, लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य और जनसंचार के माध्यम
- साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख पद्धतियाँ– विधेयवाद, अनुभववाद, संरचनावाद और मार्क्सवाद
- साहित्य का संस्कृतिमूलक अध्ययन : भारतीय अवधारणाएँ, धर्म और संस्कृति, जाति और संस्कृति
- साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न दृष्टियाँ– प्राच्यवादी दष्टि, उत्तर औपनिवेशिक दृष्टियाँ
- साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न पद्धतियाँ– संरचनावाद (सास्यूर, लेवीस्ट्रास, रोला बार्थ, अबर्टाइको), उत्तरसरचनावाद (देरिदा, लांका, फूको)

- मार्क्सवाद (अल्थूसर, जॉन फिस्के, हैबरमॉस) स्त्री चिंतन
- भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति के रूप और साहित्य

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. मैनेजर पांडेय– साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका
2. निर्मला जैन (सं0)– साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन
3. पूरनचंद जोशी– परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम
4. Escarpit Robert – Sociology of literature, London, 1965
5. Laurenson, Diana and Swingwood, alanhall- Socliogy of literature
6. Alam Swingwood- The Novel of Revolution
7. Michol Zeraffia- Fictions: The Novel and Social reality
8. Raymond Williams – The Long Revolution : cutter and society
9. Leo lowemthal – Literatrer and the image of man.
10. रामधारी सिंह दिनकर– संस्कृति के चार अध्याय
11. Louis Althuer- for Marx
12. Ajar Ahmad- In theory
13. Leela Gandhi- Post Colonialism
14. Homi Bhabha (Ed.) Nation and Narration
15. Meenakshi Giri Durhan and Dorglas Kelliner- Media and Cultural studies Keywords.
16. Pramod k. Nayyer- Literary theory today
17. Cumber to Eco- Towards a semiotic inquiry into T.V messages.

MHN EC-1 (ख)

दो प्रश्नोत्तर 2×15 = 45
दो व्याख्याएँ 2×10 =15
दो लघुत्तरीय 2×5= 10
दस वस्तुनिष्ठ10×1 = 10
70

(क) कहानी

कथा, किस्सा और कहानी

लोक कथा और कहानी

शॉट स्टोरी और कहानी

उर्दू कहानी और हिन्दी हिन्दी कहानी

कहानी का विश्व परिदृश्य और हिन्दी कहानी

कहानी और राजनीति

प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी

प्रमचंद और उनके समकालीन

प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी की प्रमुख प्रवृतियाँ – आंचलिक कहानी, नई कहानी, समानांतर कहानी, अकहानी समकालीन कहानी

हिन्दी कहानी और दलित स्वर

हिन्दी कहानी और स्त्री स्वर

गाँव, शहर और कहानी

पाठ – (दुलाई वाली), किशोरीलाल गोस्वामी (इंदुमति), चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (उसने कहा था), प्रेमचंद (कफन), जयशंकर प्रसाद (ग्राम), राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह (काना में कंगना), जैनेन्द्र (खेल), अज्ञेय (गैंग्रोन), यशपाल (उत्तमी की माँ), फणीश्वरनाथ रेणु (ठेस), निर्मल वर्मा (परिन्दे), अमरकांत (जिन्दगी और जोंक), मोहन राकेश (मलबे का मालिक), भीष्म साहनी (चीफ की दावत), कृष्णा सोबती (मित्रो मरजानी), ज्ञानरंजन (घंटा), शेखर जोशी (काशी का घटवार), काशीनाथ सिंह (अधूरा आदमी), मन्नू भंडारी (यही सच है), सृजय (कामरेड का कोटा), उदयप्रकाश (तिरिछ)

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. जैनन्द्र कुमार – कहानी : अनुभव और शिल्प, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली, 1973
2. नामवर सिंह – कहानी : नई कहानी, लोकभारती, इलाहाबाद
3. राजेन्द्र यादव – कहानी : संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली
4. धनंजय (सं0) – समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि
5. देवीशंकर अवस्थी (सं0) – नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल दिल्ली, 1966
6. विजयमोहन सिंह – आज की हिन्दी कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन
7. मधुरेश – नई कहानी : पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
   – हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन
8. विश्वनाथ त्रिपाठी – कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, पंचकूला, दिल्ली
9. बलराज पाण्डेय – नई कहानी आंदोलन की भूमिका, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद
10. देवेश ठाकुर – हिन्दी की पहली कहानी, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
11. देवीशंकर अवस्थी – विवके के रंग, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
12. नेमिचन्द्र जैन – अधूरे साक्षात्कार
13. नित्यानंद तिवारी – सृजनशीलता का संकट
14. रामदरश मिश्र – हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान
15. राजेन्द्र चौधरी – नई कहानी : प्रकृति और पाठ
16. कमलेश्वर – नई कहानी की भूमिका
17. निर्मल वर्मा – कला का जोखिम
18. मुक्तिबोध – एक साहित्यिक की डायरी

MHN EC-1 (ग)

लोक साहित्य

लोक की नृतत्त्वशास्त्रीय, एथनोग्राफी, लोक मनोवज्ञानिक व समाजशास्त्रीय व्याख्या

हिन्दी लोक साहित्य : अध्ययन और अनुसंधान की प्रविधि – सर्वेक्षण व संकलन

लोक–साहित्य का अध्ययन, विश्लेषण और मूल्यांकन

भारत में लोक साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान

लोक संस्कृति के अंग और उसकी अभिव्यक्तियाँ – भाषा, साहित्य, संगीत, जीवन–दर्शन

लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मारक भाषा की प्रकृति और स्वरूप, हिन्दी की ग्रामीण शैलियाँ और उसका भाषिक वैशिष्ट्य

लोकगीत, देवोगीत, जन्म–संबंधी, संस्कार–गीत, विवाह संबंधी, ऋतुगीत, मृत्यु संबंधी गीत, श्रम गीत

साहित्यिक रूप – श्रव्य – लोकगाथा, लोक–आख्यान, पंडवानी, आल्हा आदि

दृश्य – लोक नाट्य – रामलीला, कव्वाली, चैरबैत, नौटंकी, स्वाग, संगोत, विदेशिया

पाठ – महेन्द्र मिसिर, भिखारी ठाकुर

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. पीयूष दहिया (सं0) – लोक
2. पीयूष दहिया (सं0) – लोक का आलोक
3. धीरेन्द्र वर्मा – लोक – साहित्य की भूमिका
4. डॉ0 सत्येन्द्र – लोक – साहित्य विज्ञान
5. जगदीशचन्द्र माथुर – पारंपरिक लोक – नाट्य
6. श्याम परमार –भारतीय लोक– साहित्य
7. मनोहर शर्मा – लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा
8. डॉ0 कुंदन लाल उत्प्रेती – लोक साहित्य के प्रतिमान
9. Zygment Bauman – culture as pararis
10. Any Gazin Schwartz – Archacology
11. Valdinnir Propp – Theory and history of folklose
12. Donna Roserberg – Folklose, Myths and legends
13. S.P. Pandey and Awadhesh kr. Singh – Flok culture in India
14. Syed Abdul latif – An Outline of the cultural history of India
15. Dr. P.C. Muraleemadhavan – Facets of Indian Culture
16. Krishna Murthy – Mirrors of Indian culture
17. Kapila Vatsyayan –Traditions of India folk dance

18. Richman – May Ramayana.

MHN EC-1 (घ)

आधुनिक हिन्दी–साहित्य

आधुनिक, आधुनिकता, आधुनिकीकरण, उत्तर आधुनिकता

लाक से जन का संक्रमण

सांस्कृतिक पूंजी, सांस्कृतिक संस्थान

सांस्कृतिक उत्पादन, आधुनिक कला–रूप

गाँव, शहर, समाज और साहित्य

औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा जनक्षेत्र, फोर्ट विलियम कॉलेज, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, नागरी प्रचारिणी सभा, हिन्दी की बहसें

भारतेन्दु मंडल, द्विवेदी युग, सरस्वती, सुधारवाद, राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद विरोध, पश्चिम के विचार आंदोलन का प्रभाव, प्राच्यवाद

प्रगतिशील आंदोलन, राष्ट्रवाद और प्रगतिशीलता के प्रश्न

उत्तर औपनिवेशिक हिन्दी साहित्य

सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत

बहुभाषिकता, बहुसांस्कृतिकता

भारतीय साहित्य की अवधारणा

साहित्य और विचारधारा, साहित्य की सृजन–प्रक्रिया में लेखक और पाठक की विचारधाराओं का द्वन्द्व, साहित्यिक कृतियों की व्याख्या और विचारधारा की समस्या :–

पाठ :– भारतेन्दु (प्रबोधन अंधेर नगरी), प्रेमचंद (रंगभूमि, गादान), निराला (राम की शक्तिपूजा, तुलसीदास), ह0 प्र0 द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा), रेणु (मैला आँचल), श्रीलाल शुक्ल (राग दरबारी), मनोहरश्याम जोशी (कसप, कुरु–कुरु स्वाहा, हरिया, हरक्यूलिस की हैरानी), मैत्रेयी पुष्पा (इदन्नमम्, अल्मा कबूतरो, चाक), अलका सरावगी (कलिकथा वाया बाइपास)

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. रमेश कुंतल मेघ – आधुनिकता और आधुनिकीकरण
2. Authory J. Casscardi- The subject of Modernity
3. Authory Giddens – The constitution of society

- The consequences of modernity

4. M. Castells – The city and gressroots
5. रामविलास शर्मा – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ
6. रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
7. डॉ0 नग्रेन्द्र – भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास
8. नित्यानंद तिवार – आधुनिक साहित्य और इतिहास–बोध
9. रामधारी सिंह दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय
10. वसुधा डालमिया – नेशनललाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडिशन : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एंड नाइनटींथ सेंचुरी बनारस
11. D.P.Mukerji – Modern Indian Culture : A sociological study, Bombay, 1948
12. Raymond William – Marixm and literature
13. Terry Eaglenton – Criticism and Ideology
    - Ideology : An Introduction.

MHN EC- II (क)

षोडश पत्र

आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

आधुनिक हिन्दी रंगमंच

अन्धेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र

स्कन्द गुप्त, लहरों के राजहंस, कोणार्क (राधाकृष्ण)

कबिरा खड़ा बाजार में – भीष्म सहनी

शकुन्तला की अँगुठी

अन्धा युग – धर्मवीर भारती, किताब महल, इलाहाबाद

एकांकी सप्तक – सं0 डॉ0 चम्पा श्रीवास्तव, प्रो0 राजेन्द्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
2. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती

4. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती

5. आधुनिक नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश – गोविन्द चातक राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

6. नाटककार जयशंकर प्रसाद – सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण

7. नाटककार भारतेन्दु की रंगपरिकल्पना – सत्येनद्र कुमार, तनेजा, राधाकृष्ण

8. नाटककार जगदीशचन्द्र माथुर – गोविन्द चातक, राधाकृष्ण

9. नाटक : सिद्धान्त और प्रयुक्ति – डॉ0 पूनम कुमारी – निर्मल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

10. हिन्दी नाटक के पांच दशक – कुसुम खेमानी

11. हिन्दी एकांकी – सिद्धनाथ कुमार

12. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन

13. साठोत्तरो हिन्दी–नाटक – के. बी. नारायण, करुण, लोकभारती प्रकाशन

14. हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

15. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच – जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

16. एकांकीकार भुवनेश्वर का यथार्थबोध – सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

17. हिन्दी समस्या नाटकों की शिल्प विविध – डॉ0 पूनम कुमारी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

MHN EC- II (ख)

3×15= 45
3×5 = 15
10×1 = 10
70

प्रयोजन मुलक हिन्दी

खण्ड – 'क'

कामकाजी हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा आदि
2. राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य – प्रारूपण, पत्रलेखन, टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन
3. पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप और महत्त्व, निर्माण के सिद्धांत

खण्ड – 'ख'

हिन्दी कम्प्यूटिंग

1. कम्पयूटर : परिचय, उपयोग, वेव पब्लिशिंग
2. इंटरनेट : सम्पर्क उपकरणों का परिचय, इन्टरनेट एक्साइलोड (नेट स्केप), लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना और प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट, पोर्टल लोडिंग, अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

खण्ड – 'ग'

अनुवाद

1. अनुवाद का स्वरूप, प्रकार, महत्त्व, आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण
2. परिभाषिक शब्दावली के अनुवाद

खण्ड – 'घ'
राजभाषा एवं जनसंचार

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र
2. जनसंवाद एवं जनसंपर्क
3. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. पयोजनमूलक हिन्दी – सिद्धांत एवं प्रयुक्ति, डॉ0 जितेन्द्र कुमार सिंह, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता – डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्राकाशन, दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ0 माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी – प्रो0 रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी – पी. लता, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
8. अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार – डॉ0 जयन्ती प्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. राजभाषा सहायिका – अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

MHN EC- II (ग)

आलोचनात्मक 3×15= 45
व्याख्याएँ 2×10=15
लघुउत्तरीय 2×5 =10
वस्तुनिष्ठ 10×1 =10
70

कथेतर गद्य

1. क्या भूलूँ क्या याद करूँ – बच्चन, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
2. आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
3. पथ के साथी – महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. पुण्डरीक – श्यामनन्दन किशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

5. आत्म की धरती –डॉ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
6. ऋणजल धनजल – फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. निबन्ध – प्रस्तावित निबन्ध – आप, मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, अशोक के फूल, मेरे राम का मुकुट भींग रहा है, रस आखेटक, मन्दिर और राजभवन, गेहूँ और गुलाब, मैं हज्जाम हूँ, ताला, सदाचार का ताबीज।

   प्रताप नारायण मिश्र, सरदार पूर्ण सिंह, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय, दिनकर, बेनीपुरी, आचार्य शिवपूजन सहाय, आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, हरिशंकर परसाई

अनुमोदित ग्रंथ :–

1. वाङ्मय विमर्श – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. साहित्य विधाएँ : रूपात्मक विकास – डॉ बैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
3. आत्मकथा की संस्कृति – पंकज चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. आत्मकथा और उपन्यास – ज्ञानेन्द्र कुमार सन्तोष, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

AECC-1

A- Environmental Sustainability (3 Credit)

B- Swachha Bharat Abhiyan Activities (2 Credits)

Each credit requires 10 hours of teaching- learning for theory and 20 hours for practical assignment field work.

A-Unit -1 Environmental ethics & ecosystem: Concept of sustainable development with reference to human values in western and Indian perspective, sustainable development & conservation of natural resources (Nature, factors, structure, development and people participation) development, environment- rural and urban, concept of Ecosystem.

A-Unit -2 Development and its effect on environment: Environment Pollution - water, air, noise etc. due to Urbanisation, Industrial civilization, Concept of Global Warming , Climatic Change, Green House Effect, Acid rain, Ozone layer depletion. Menace of encroachment of exotic plants particularly parthenium and trees with special reference to impact on habit & habitat on indigenous flora & fauna.

A-Unit -3 Concept of Bio-diversity and its conservation: Environmental Degradation and conservation. Govt. Policies, Social effects and role of social reforms in this direction. Role of science in conservation of environment concept of Three 'R' (reduce, reuse, recycle). Need of environmental education and awareness programme and ecological economics.

B-Unit -4 Swachha Bharat Abhiyan: The concept of Swachhata as personal, Gandhian approach towards social and environmental moral values & concept of swachhata and its relation to moral upgradation of society and freedom struggle. Awareness Programme related to Swachhata. Role of 'Swachchagrahis' in Swachha Bharat Abhiyan.

Sanitation and hygiene, why sanitation is needed, santation and human rights, plantation, value of nature, concept of community participation and role of state agencies. Case study of Sanitation, effects of cleanliness, diseases - infectious and vector – born Idea of spread of diseases through body and other biological fluids and excreta.

B-Unit-5 Assignment/Practical/field work based on unit-4

or

Alternative to unit-4 and unit-5 a student can also enrol for Swachha Bharat Internship programme of MHRD.

AECC – 2 **Credit - 5**

Human Values and Professional Ethics (3 Credits)

Gender Sensitization (2 Credits)

(One credit requires ten hours of theory and twenty hours of practical/assignment/field work)

Unit – 1: Variety of Moral Issues, Principals of Ethics and Morality:-

Understanding the Harmony in the Society (society being an extension of family), Integrity, Work Ethic, Courage, Empathy, Self Confidence, Professional Ideas and Virtues. Ethics as a Subset of Morality, Ethics and Organizations, Duties and Rights of employees and employers.

Unit – 2: Holistic approach to corporate ethics:-

Vendantic Ethics – Tagore, Vivekanand, Gandhi and Aurobindo on Ethics, Ethics in Finance, Business and Environment. Professional Rights, Intellectual Property Rights, Corporate Responsibility. Social Audit and Ethical Investing, Computer and Ethics.

Unit – 3: Professional Ethics:-

Augmenting Universal Human Order, Characteristics of people-friendly and eco-friendly production, Strategy for Transition from the Present State to Universal Human Order, At the Level of Individual- as Socially and Ecologically Responsible Technologists and Managers, At the Level of Society- as Mutually Enriching Institutions and Organizations. Case studies of typical holistic technologies and management patterns.

Unit – 4: Gender – An Overview:-

Gender: Definition, nature and evolution, culture, tradition, historicity; Gender spectrum: biological, sociological, psychological conditioning; Gender based division of labour – domestic work and use value.

Unit – 5: Gender – Contemporary perspectives

Gender justice and human rights: international perspectives, Gender : constitutional and legal perspectives, media & gender, Gender: emerging issues and challenges.

(5)

Generic Elective (GE) course	
Course title: Human Rights	
Course code: GE-1	**Credit 5** **(There shall be 5 units each consisting of one credit)**
Course offered in: Semester- IV	
Course content:	
Unit	**Topics**
I	**Conceptual Aspects of Human Rights** a. Meaning and Concept of Human Rights b. Human Rights, Natural Rights, Civil Rights, Political Rights and Legal Rights.
II	**Evolution of the Concept of Human Rights** a. Magna Carta, The united state declaration of Independence: The French Declaration of the Rights of Man and the Citizen: United state Bill of Rights: Geneva Convention of 1864: Universal declaration of Human Rights, 1948. b. International Bill of Rights, Significance of Universal Declaration of Human Rights International Covenant on Civil and political Rights, International Covenant on Economic, Social and cultural Rights.
III	**Diversity, Multiculturalism and Human Rights** a. Value of Diversity: Collective Cultural Rights and the Idea of Universal Human Rights: Multiculturalism and Minority Rights: protection and promotion of Human Rights in Multicultural Societies. b. Beyond Universal Human Rights: Universalism of human Rights: Nation-State and the Right to national Self-Determination: state Sovereignty and the Politics of Universal Human rights.
IV	**Theoretical aspects of Human rights.** a. Theories of Human rights-Liberal Perspective-Locke, Rousseau, J.S. Mill, Marxian Perspective-Marx, Gramasci b. Feminist Perspective of Human Rights.
V	**Assignment / Field Work based and Unit I, II, III and IV.**

Ability Enhancement Course (AEC) or Skill Enhancement Course (SEC)	
Course title: : Environmental Law and Policy	
Course code: AEC-1/SEC-1	**Credit 5** **(there shall be 5 units each consisting of one credit)**
Course offered in: Semester- II	
Course description: Law and policy plays a major role in the conservation and management of natural resources as well as pollution control. This course intends to introduce the students to the vast field of Environmental Law and Policy. The course would be divided into three broad areas. The first part would cover the basic concepts and principles of Environmental Law. This would include judicial precedents, which now forms an essential part of environmental jurisprudence. The second part would be divided into specific introductory modules on forests and wild life including bio-diversity related laws; Air and Water related laws including mega projects and marine laws; and laws relating to hazardous substances. The third part would discuss the role of judiciary including the National Green Tribunal in protecting the environment.	
Course objectives: 1. To provide an overview of the law and policies relating to environment both at the national and international level. 2. To critically analyse the implementation of these laws and the role of adjudicatory bodies in the field Of environment.	
Course content:	
Unit	**Topics**
I	**Introduction:** Environment: meaning and components Environment *vs* Development debates, trigger events, business and environmental law, a brief introduction to SDGs. Introduction to environmental laws in India; Constitutional provisions, an overview of the laws General principles in Environmental law: Precautionary principle; Polluter pays principle; Sustainable development; Public trust doctrine.
II	**Forest, Wildlife and Biodiversity related laws:** Evolution and Jurisprudence of Forest and Wildlife laws; Colonial forest policies; Forest policies after independence. Statutory framework on Forests, Wildlife and Biodiversity: IFA, 1927; WLPA, 1972; FCA, 1980; Biological Diversity Act, 2002; Forest Rights Act, 2006. Strategies for conservation–Dolphin, Tiger, Elephant, Rhino
III	**Air and Water Laws** National Water Policy Laws relating to prevention of pollution, access and management of water and institutional mechanism: Water Act, 1974; Water Cess Act, 1977, EPA, 1986. Pollution Control Boards Ground water and law Legal framework on Air pollution: Air Act,1981; EPA, 1986 as amended to date including rules and notifications issued under it.
IV	**Environment protection laws and large Projects** Legal framework on environment protection-Environment Protection Act as the framework legislation–strength and weaknesses; EIA. Marine laws of India; Coastal zone regulations, Wetland conservation.
V	**Judicial remedies and the role of National Green Tribunal** Role of judiciary in environmental protection; Infrastructure projects and the Indian judiciary.

20/06/2018

20/06/2018

Learning outcomes:

On completion of this course, the students would:

1. Have a strong foundation to undertake specialized courses in the field of environmental laws and policy
2. Develop an inter-disciplinary approach to the issues relating to environment.

Assignments:

1. Environmental laws in India
2. Evolution and Jurisprudence of Forest and Wildlife laws
3. Legal framework on Air pollution
4. Biological Diversity law
5. Role of judiciary in environmental protection
6. Air Laws
7. Water Laws
8. Wetland conservation etc.